

अगर मां सब कुछ भूल कर एक नई जिंदगी की शुरुआत करने वाली थी तो फिर वह महा डायन कब और कैसे बन गई युग के मन में यह सारे सवाल चली रहे थे की चित्र फिर युग से बोल पड़ती है बेटा उसे दिन बस में बैठने के बाद मेरे कुछ समझ ही नहीं आ रहा था मैं कहाँ पर जाऊँगी प्रशांति बोल दिया था कि मैं यहाँ से दूर जाकर एक नई जिंदगी की शुरुआत करों पर उसे क्या पता नहीं जिंदगी की शुरुआत करने के लिए भी किसी ने किसी अपनी की जरूरत पड़ती है और अब तो मेरे पास कोई भी अपना नहीं बचा था तब मुझसे बात मुझ पर क्या बीत रही थी भरने के बाद रेलवे स्टेशन रही थी पर मुझे पता ही नहीं था कि मैं किस ट्रेन में बैठा हूँ ऐसी कौन सी ट्रेन थी जिसमें बैठने से मेरी जिंदगी की एक नई शुरुआत हो जाती मैं सोच रही थी कि मैं कहाँ पर जाऊँ कौन सी ट्रेन में बैठा हूँ इस वक्त मेरी मुलाकात उसे शक से हुई जिसने मेरी जिंदगी को तो बदल कर रखी दिया था साथ में खुद मुझे भी बदल दिया था मुझे डरपोक से डायन बना दिया मुझे लगा ही नहीं था कि वह मुझे वहाँ पर मिलेगी मेरी जिंदगी को एक नई मंजिल देने के लिए हलचल होने लग जाती है कुछ देर बाद हर स्टेशन पर एक बेंच पर बैठी हुई थी उसके आस पास क्या मेरा इस दुनिया में कोई बचा ही नहीं है मैं कहाँ जाऊँ कैसे फिर से जीना शुरू करूँ वह भी मेरी बेटा युग के बिना वही तो मेरी जिंदगी था इतना कह कर चित्र अंदर ही अंदर रोने लग जाती है सिर्फ मारती अपने आंसू नहीं छुपाते हैं कई बार औरतें भी अपने आंसू अपने अंदर ही छुपा लेती है उन्हें बहाने से रोक लेती है कि वह टूटे ना अपने आप को अंदर से मजबूत कर सके और खुद को हौसला दे सके जितना भी बार बार खुद को यही हौसला देने की कोशिश कर रही थी प्रशांति ने चित्र को जो बातें बताई थी चित्र को वह बातें याद आने लग जाती है फिर से नहीं पढ़ सकती यक्षिणी ने अनुराग के साथ क्या बिसाहार किया मुझे कुछ हमेशा हमेशा के लिए अलग कर दिया है अब मुझे कुछ नहीं जानना है दूर रहना इन सब चीजों से अगली ट्रेन जो भी आएगी मैं उसी में बैठ जाऊँगी चाहे फिर वह मुझे कहीं पर भी क्यों ना ले जाए वही से मैं अपनी जिंदगी की एक नई शुरुआत करूँगी चित्र ठान लेती है कि जो भी अगली ट्रेन आएगी उसमें वह बिना कुछ सोचे समझे बैठ जाएगी चित्र अगली ट्रेन की आने का इंतजार करने लग जाती है जो की मेहंदी पता रेलवे स्टेशन की आखिरी ट्रेन थी तभी उसे ट्रेन के आने की आवाज सुनाई देती है अगली बार उसके सामने उठ जाती है ट्रेन के पास जा रही थी कि तभी उसे ट्रेन निकलती हुई नजर आती है दरवाजे के पास ही रुक जाती है जब चित्र चित्र अच्छे से जानती थी कि वह सुनहरी बिल्ली कौन थी उसने उसे आखिरी बार तब देखा था जब वह कोलकाता छोड़कर दिल्ली जा रही थी और आज फिर एक बार उसके सामने आ गई थी जब वह मेहंदी पत्थर छोड़ कर जा रही थी अगली बार ट्रेन स्टेशन से रवाना होने लग जाती है ट्रेन की आखिरी बोगी जैसी वहाँ से गुजरती है वह सुनहरी बिल्ली एक बेहद खूबसूरत औरत के रूप में बदल जाती है जिसकी छोटी उसकी पीठ पर साँप की तरह देख रही थी आप चित्र के पास आते हुए कहती है चित्र मैं कैसी हो तुम जवाब नहीं देती है बस अपनी नजरें नीचे कर लेती है तुम्हें शादी करके पछता जा रही जैसे रबीना यह बात बोलती है चित्र उसे हैरानी के साथ देखने लग जाती है चित्र मन में सोचने लग जाती है इसे कैसे पता कि अनुराग एक भाषण का वंशज है रबीना फिर बोल पड़ती है ऐसे मत देखो मुझे चित्र तुमने क्या किया है तुम्हारे साथ क्या हुआ है मुझे सब पता है मुझे कुछ नहीं छुपाया तुम्हें क्या लगता है कि हमारी नजर तुम पर नहीं है हमारी नजर तो तुम पर तुम्हारा जन्म से ही है पर ना कभी तुम्हारे मन आप हमें समझ पाए नहीं तुम हमें कभी समझ पाए दुनिया में ले जाना चाहते हैं उसे वक्त कैसे छोड़ देते थे कभी तुम्हारी नजर पड़ी होगी तुम्हें पहली बार कॉलेज में मिला था उसे व्यक्ति मुझे पता चल गया था कि अनुराग एक भाषण का वंशज है चित्र हैरानी के साथ रहती है क्या कहा आपको पता था तो फिर आपने मुझे रोक क्यों नहीं मुझे अनुराग से क्यों दोस्ती करनी थी क्यों उससे प्यार होने दिया रबीना धीरे धीरे रहती है अगर बता देती तो क्या तुम रुक जाती चित्र मेरी बात मान ली थी तुम मेरे कहने से दूर रहती अनुराग से नीचे झुका लेती है उसका यह मूवमेंट देखकर रबीना समझ जाती है कि उसका क्या जवाब था अनुराग से प्यार में जो थी अगर प्यार इंसान ठोकर नहीं लगती है वह संभलता नहीं है किसी की बात नहीं बनता है इसलिए तुम्हें भी ठोकर लगा जरूरी थी एक बड़ी ठोकर और अब वह तुम्हें लग चुकी है चित्र चुपचाप रबीना की सारी बातें सुनती रहती है और अपनी गलती पर पछताते रहती है कुछ देर चित्र और रबीना के बीच खामोशी छाई रहती है जब चित्र कुछ नहीं रहती है तो रबीना ही फिर बोल पड़ती है तो फिर अब क्या करने का सोचा है तुमने चित्र कहाँ पर जा रही हो तुम के साथ रहती है मुझे नहीं पता मैं कहाँ पर जा रही हूँ मेरी किस्मत मुझे जहाँ पर ले जाएगी मैं वही पर चली जाऊँगी किस्मत के भरोसे बैठे रहते हैं उनकी जिंदगी पूरी तरह हो जाती है पर मैं अपनी जिंदगी ईश्वर का चित्र मैं इंसानों के साथ रहकर भूलो मत यह दुनिया तुम्हारी नहीं है मैं तुमसे पहले भी कह चुकी हूँ तुम्हारी एक अलग दुनिया है तुम इस दुनिया के लिए नहीं बनी हो तुम यहाँ पर अपनी जिंदगी की नई शुरुआत नहीं कर सकती बल्कि बाकी की बची कूची जिंदगी को बर्बाद ही करोगी इसलिए अभी भी वक्त है मेरे साथ चलो हमारी काली दुनिया में तुम्हारे लिए वही दुनिया बनी है इस काली दुनिया में तुम्हारी जिंदगी की नई शुरुआत हो सकती है बिल्कुल नहीं चाहिए कुछ भी हो जाए मैं उसे गाली दुनिया में बिल्कुल नहीं जाऊँगी मेरे माता पिता ने अपनी जान की कुर्बानी दी थी कि मैं उसे गाली दुनिया से दूर रहूँ और तुम मुझे इस दुनिया में जाने का बोल रही हूँ तुम्हारी माता पिता ने तो तुम्हें दूर कर दिया काली दुनिया से चित्र हिम्मत करते हुए बड़े तब के साथ रहती है मैं अपने बेटे को सब चीजों से सुरक्षित करके यहाँ से जा रही हूँ मैं उसके गले में यक्षिणी के हीरे का लॉकेट बनाया है ताकि यक्ष ने उसका कुछ ना करें मैं फंक्शनल के साथ बिसाहार किया है ताकि भाषण और उसके पास तक ना भटक सके उसे हमेशा दूर रहे रबीना पलट कर कहती है तो तुम्हें क्या लगता है इतने से इंतजार करने के बाद तुम्हारा बेटा युग सुरक्षित हो जाएगा जिस वक्त को पता चलेगा की यक्षिणी का हीरा उसके पास नहीं है तो फिर देखना वह क्या करता है एक पल भी नहीं लगेगा थोड़ी देर पहले बस कर ले और यक्षिणी का हीरा युग को देने के बाद जिन चिताओं से वह मुक्त हो गई थी उन चितामणि से वापस से खेल लिया था उसे फिर से युग की फिक्र होने लग गई थी चित्र डरने लग गई थी चित्र डरते हुए कहती है तो फिर क्या करूँ मैं कैसे बताऊँ मैं अपने बेटे को रबीना रहती है उसे भागने को डरा कर चित्र बता दो उसे डरती नहीं है बल्कि डरती है तुम्हारे पास तो डायन और विश्वास दोनों की शक्तियाँ हैं वह भाषण का अंश सोच भी नहीं सकता तुम उसका क्या हाल कर सकती हो रबीना की सारी बातें सुनते रहती है प्रवेश तभी तुम अपने बेटे युग को भागने से भविष्य में बच्चा पाओगी क्योंकि आने वाले वक्त में वह पक्ष और ताकतवर बनने वाला है वह ताकतवर बन उससे पहले ही तुम उसे हराने के काबिल बन जाओ काली दुनिया में प्रवेश करके रबीना की बातें सुनकर चित्र सच में डूब जाती है रबीना रहती है अब फैसला तुम्हारे हाथ में चित्र तुम सोच लो तुम्हें क्या करना है इंसानों के साथ ही रहकर एक नई जिंदगी की शुरुआत करनी है या फिर मेरे साथ कई दुनिया में प्रवेश करके युग के आने वाले भविष्य को हमेशा हमेशा के लिए सुरक्षित करना है भविष्य में उसके ऊपर आने वाली है उसे उसे बचाने की आवाज सुनाई देती है जिस कारण चित्र को ध्यान उसे ट्रेन की तरफ चल जाता है तुम्हारी आखिरी ट्रेन अभी तक इस स्टेशन से गई नहीं है चित्र जो ट्रेन तुमने गुजरते हुए देखी थी वह सब तुम्हारा भ्रम था तुम्हारी ट्रेन तो अब आ रही है तुम सोच लो उसे ट्रेन में बैठकर तुम्हें अपनी एक नई जिंदगी फिर से शुरू करनी है या फिर मेरे साथ रहकर भागने को हराना सीखना है अपने बेटे युग को बचाने के लिए पर तुम जो भी फैसला लो सोच समझ कर लेना क्योंकि कई दुनिया में प्रवेश लेना तो बड़ा आसान है पर उसे निकालना बहुत मुश्किल काली दुनिया से बाहर आने का कोई रास्ता नहीं है फिर वही आपकी अंतिम दुनिया होती है चित्र के सामने कदम रखने से स्टेशन आ रहा था एक तरफ माता-पिता की कुर्बानी याद करके उसकी माँ बोगी में बैठने का कर रहा था तो दूसरी

तरफ युग का चेहरा देखकर भविष्य में योग को बचाने के लिए काली दुनिया में प्रवेश करने का उसका मन कर रहा था वह फैसला नहीं ले पा रही थी कि वह क्या करे अगली पर चित्र अपना कम भोगी में रखने के लिए आगे बढ़ती है यह देखकर रुबीना मायूस हो जाती है कि इतना समझाने पर भी चित्र नहीं उसकी बात क्यों नहीं मानी थी इसलिए रुबीना नीचे नजर करते हुए दूसरी तरफ देख लेना सुनाई देती है और ट्रेन स्टेशन से निकल जाती है अब क्या होगा ट्रेन में चढ़ी नहीं थी वह वहीं पर रुक गई थी चित्र आक्रोश भर रही हैं अगर मेरे माता पिता ने मेरी जान बचाने के लिए अपनी जान की कुर्बानी दी थी तो क्या मैं अपने बेटे की जान बचाने के लिए अपनी जान दर्पण नहीं लगा सकती आखिर मेरे अंदर भी तो उन्हीं का खून दौड़ रहा है अब तक मैं उसे गाली दुनिया से दूर भागती रही सिर्फ इसलिए ताकि मेरे बेटे योग पर उसे गाली दुनिया का कोई बुरा असर न पड़े पर अब जब बात मेरे युग बीते की जानकारी आ गई है तो उसकी जान बचाने के लिए मैं जरूर उसे गाली दुनिया में कदम रखेगी और फिर मा डायन चित्र की बात सुनकर रुबीना खुश हो जाती है और मुस्कुराते हुए कहती है आज से तुम्हारी एक नई जिंदगी के साथ ही डायन बनने का सफर शुरू होता है की कहानी एचडी ख्वाब है